

आज

बेबाक

एक मच्छर क्या कर सकता है यह तो नाना पाटेकर पहले ही बता चुके हैं। मात्र 2 ग्राम का अदना सा टिड्डी कितना कहर बरपा सकता है यह सबके सामने है। पाकिस्तान से उड़ कर आए टिड्डियों के दल ने भारत के कई राज्यों में फसल को भारी क्षति पहुंचा कर पहले से ही मुसीबत के मोरे किसानों के लिए दुबरा पर दो अपाढ़ वाली कहावत चरितार्थ कर दी है। यह भारत का दुर्भाग्य ही है कि उसे ऐसे दो एंडे पड़सौ मिले हैं जिसमें से एक ने कोरोना भेजा है तो दूसरे ने टिड्डी। काश हम इतिहास की तरह भूगोल भी बदल पाते?

अच्छी खबर

राजधानी भोपाल में पोस्टर का खेल शुरू



भोपाल। मध्य प्रदेश में पोस्टर पॉलिटिक्स शुरू हो गई है। अब भोपाल में सांसद प्रज्ञा ठाकुर की गुमशुदगी के शहर में लगे पोस्टर लगे मिले हैं। यह पोस्टर शहर के कुछ हिस्सों में लगाए गए ठाकुर एक बार भी जनता के सामने नहीं आईं इस पूरे संकट में अब तक जनता के सामने नहीं आई हैं। पोस्टर में लिखा गया है कि कोरोना महामारी में भोपाल की जनता परेशान, सांसद प्रज्ञा ठाकुर कहाँ लापता हैं। हालांकि, ये पोस्टर शहर में किसने लगवाए हैं, इसको लेकर अभी कोई खुलासा नहीं हुआ है। ये पहली बार नहीं है जब किसी नेता की गुमशुदगी के पोस्टर लगे। भाजपा नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया, पूर्व सीएम कमलनाथ और उनके बेटे सांसद नकुलनाथ की गुमशुदगी के भी पोस्टर लग चुके हैं। सिंधिया समर्थक इमरती देवी के भी लापता होने के पोस्टर लगे थे। मध्य प्रदेश में छिंदवाड़ा और ग्वालियर के बाद अब राजधानी भोपाल में भी पोस्टर का खेल शुरू हो गया है। भोपाल में स्थानीय सांसद प्रज्ञा ठाकुर के गुमशुदा होने के पोस्टर लगाए गए हैं। अज्ञात लोगों द्वारा लगाए गए पोस्टर की पूरे शहर में चर्चा हो रही है।

सिंधिया, के लोगो को महत्व अपने सीनियरों को रखना होगा बाहर !

शिव के लिये चुनौती, सब को साधना ?

डॉ शिशिर उपाध्याय

भोपाल। शिवराज मंत्रिमंडल के विस्तार को शीर्ष नेतृत्व ने हरी झंडी दे दी है। केन्द्रीय पदाधिकारियों के साथ शिवराज सिंह चौहान की हुई चर्चा में नाम भी लगभग तय कर लिए गए हैं। शिवराज सिंह चौहान के मंत्रिमंडल की प्रस्तावित सूची को दिखी में अप्रुवल के लिए भेज दिया गया है। बताया जा रहा है कि संभावित नामों पर केन्द्रीय नेतृत्व की सहमति के बाद मंत्रिमंडल का विस्तार हो जाएगा। राजभवन परिसर में कोरोना मरीजों के पाए जाने के बाद यह विचार भी चल रहा है कि मंत्रियों को शपथ राजभवन परिसर के बाहर दिलवाई जाए। भोपाल के मिंटो हाल में शपथ समारोह

कमलनाथ के बयान पर क्या बोले शिवराज

इधर, शिवराज सिंह चौहान ने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के बयान पर चुटकी ली है। उन्होंने कहा है कि दिल बहलाने के लिए गालिब ख्याल अच्छा है। सारी योजनाएं बंद कर जनता को धोखा देने वाले और सरकार को भ्रष्टाचार का जरिया बनाने वालों पर से जनता का अब विश्वास उठ गया है। गौरतलब है कि दो दिन पहले छिंदवाड़ा दौरे पर गए पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने मीडिया से कहा था कि अभी इंटरवल है और हम फिर सत्ता में आएंगे। हम उस चुनाव में ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतेंगे।

आयोजित करने के बारे में भी चर्चा चल रही है। संभावना है कि शिवराज सरकार में कई वर्षों तक मंत्री रहे नेताओं को इस

शीघ्र विस्तार की संभावना

प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने यह भी कहा कि कैबिनेट विस्तार की संभावना शीघ्र है, ताकि केंद्र में नए मोदी 2.0 सरकार की पहली वर्षगांठ के कार्यक्रमों में नए कैबिनेट सदस्य शामिल हो सकें। उन्होंने कहा कि अगर 30 मई से पहले कैबिनेट का विस्तार हो जाता है, तो नए सदस्य वर्षगांठ के कार्यक्रमों में शामिल हो सकेंगे।



उप चुनाव पर नजर

शिवराज कैबिनेट का विस्तार 24 सीटों पर होने वाले उपनवाचन को लेकर किया जाएगा। इन उपनवाचन के साथ-साथ पार्टी जटिलता और क्षेत्रीय समीकरण को लेकर भी चर्चा कर रही है। ज्योतिरादित्य सिंधिया खेने के मंत्रिमंडल में शामिल होने के कारण भाजपा के कई सीनियर नेता पिछड़े रहे हैं।

मंत्री पद के लिए सिंधिया समर्थक एवं कांग्रेस से भाजपा में आए नेता

सिंधिया खेमे से पूर्व मंत्री इमरती देवी, महेंद्र सिंह सिसोदिया, प्रद्युम्न सिंह तोमर, प्रभुराम चौधरी शामिल हैं। इसके अलावा ऐंदल सिंह कंधाना, हरदीप सिंह डंग, बिसाहू लाल सिंह, राजवर्धन सिंह दत्तीगांव और रणवीर जाटव भी संभावितों में हैं।

नहीं भाजपा के उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि भाजपा की सरकार में 2003 से 2018 तक जो शेष पृष्ठ 7 पर

इलाज की सर्वोत्तम व्यवस्था सुनिश्चित कर मृत्यु दर कम करें

मुख्यमंत्री चौहान ने एक-एक कोरोना मृत्यु का एनालिसिस प्रारंभ किया

कोरोना की स्थिति एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा की

नवप्रदेश संवादाता

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में कोरोना इलाज की सर्वोत्तम व्यवस्था सुनिश्चित कर मृत्यु दर को कम करना है। हमारे लिए हर जान कीमती है। इलाज में थोड़ी भी चूक बर्दाश्त नहीं होगी। मुख्यमंत्री चौहान ने वरिष्ठ अधिकारियों एवं चिकित्सकों के साथ एक-एक कोविड वहां हुई डैथ की वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से एनालिसिस प्रारंभ की। सर्वप्रथम मेडिकल कॉलेज इंदौर के डीन एवं चिकित्सा विशेषज्ञ के साथ कोविड-19 के कारण वहां हुई मृत्यु का विस्तृत विश्लेषण किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र, मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैस, डीजीपी विवेक जोहरी, अपर मुख्य सचिव शेष पृष्ठ 7 पर



एक्टिव प्रकरणों में आई कमी

अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य सुलेमान ने बताया कि प्रदेश में एक्टिव प्रकरणों में कमी आई है। 29 मई की स्थिति में 192 कोरोना के नए संक्रमित मरीज मिले, वहीं 219 मरीज स्वस्थ होकर घर गए। प्रदेश में एक्टिव केसेज की संख्या 3042 है। प्रदेश की कोरोना रिकवरी रेट 56 प्रतिशत हो गई है, देश की रिकवरी रेट 42.8 प्रतिशत है। आज हमीदिया अस्पताल भोपाल से 28 मरीज स्वस्थ होकर घर गए हैं।

बेरोजगारी से तंग पिता ने 8 साल के इकलौते बेटे को नदी में डुबाया

थाने पहुंचकर बोला- वंश खत्म करने के लिए बच्चे की जान ली

आरोपी पिता ने पुलिस को बताया- बच्चों का लालन-पालन करने के लिए मेरे पास कुछ नहीं

नवप्रदेश संवादाता

बालाघाट। मध्यप्रदेश के बालाघाट में शुक्रवार को दिल दहलाने वाली वारदात हुई। बेरोजगारी

से तंग एक पिता ने वंश खत्म करने के लिए 8 साल के इकलौते बेटे को वैनांगना नदी में डुबाकर मार डाला। इसके लिए पहले उसने बच्चे के दोनों हाथ बांध दिए थे। फिर आरोपी घर पहुंचा और उसने अपनी करतूत के बारे में पत्नी को बताया। इसके बाद वह खुद सरेंडर करने के लिए थाने पहुंचा। पुलिस के मुताबिक, आरोपी पिता का नाम सुनील जायसवाल है। वह सरस्वती नगर इलाके में परिवार के साथ रहता है। सुनील ने ज़ुर्म कबूल कर लिया है। आरोपी ने पुलिस को शेष पृष्ठ 7 पर

जोगी को पहली बार 9 मई को दिल का दौरा पड़ा था, इसके बाद से वे अस्पताल में भर्ती थे छत्तीसगढ़ के पहले मुख्यमंत्री अजीत जोगी का निधन

शुक्रवार को तीसरी बार हार्ट अटैक आने के बाद उन्हें बचाने के लिए डॉक्टर 45 मिनट कोशिशें करते रहे

नवप्रदेश संवादाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पहले मुख्यमंत्री रहे अजीत जोगी का शुक्रवार को निधन हो गया। वे 74 साल के थे। 20 दिन में तीसरी बार दिल का दौरा पड़ने के बाद उनकी हालत गंभीर हो गई थी। डॉक्टरों ने 45 मिनट तक कोशिशें कीं, लेकिन उन्हें बचाया



नहीं जा सका। जोगी ने दोपहर 3 बजकर 30 मिनट पर आखिरी सांस ली। वे 2000 से 2003 के बीच

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री रहे। जोगी 9 मई से कोमा में थे। इमली का बीज गले में अटकने की वजह से उन्हें पहली बार दिल का दौरा पड़ा था। इसके बाद 27 की मई की रात भी उन्हें दिल का दौरा पड़ा। हालांकि, अगले ही दिन उनकी सेहत में थोड़ा सुधार देखा गया। जब शुक्रवार को उन्हें दोबारा दिल का दौरा पड़ा तो रायपुर के श्रीनारायणा अस्पताल की ओर से एक मेडिकल बुलेटिन जारी किया गया। इसमें बताया गया कि जोगी परिवार की सहमति लेकर डॉक्टरों ने उन्हें एक विशेष इंजेक्शन लगाया है। यह बहुत ही रेयर किस्म का इंजेक्शन है। इसका इस्तेमाल छत्तीसगढ़ में बहुत शेष पृष्ठ 7 पर

कोरोना वायरस राजभवन में 3 नए केस मिलने के साथ ही संक्रमितों की संख्या 10 हुई, सभी दफ्तर बंद, तीन दिन तक बाहर निकलने पर रोक

राजधानी में अब तक 1396 : भोपाल में 23 नए केस मिले

राजभवन में 3 और पॉजिटिव; हमीदिया, जीएमसी और चिरायु अस्पताल से 48 मरीज डिस्चार्ज

संक्रमण की रफ्तार को देखते हुए भोपाल में 30 जून तक 6350 केस होंगे, जिला प्रशासन कर रहा है 10 हजार बेड की तैयारी

नवप्रदेश संवादाता

भोपाल। भोपाल में शुक्रवार को 23 नए केस सामने आए हैं, इनमें राजभवन में 3 संक्रमित और पाए गए हैं। अब यहां पर संक्रमितों की संख्या 10 हो गई है। राजभवन कटेनमेंट घोषित किया जा चुका है शेष पृष्ठ 7 पर



भोपाल में जून के आखिर तक 6 हजार से अधिक केस होंगे ?

संक्रमण की रफ्तार को देखते हुए जून के अंत तक भोपाल में 6350 केस होने भोपाल में बीते आठ दिन में 336 नए केस सामने आ चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग का अनुमान है कि संक्रमण की रफ्तार यही रही तो 31 मई तक कुल मरीज 1600, जबकि 30 जून तक बढ़कर 6350 हो जाएंगे। विभाग अब नए केस की रफ्तार को आधार मानते हुए जून-जुलाई की तैयारियों में जुट गया है। शहर के अस्पतालों में 10 हजार से ज्यादा बेड, एक हजार आईसीयू बेड, 1500 ऑक्सीजन बेड रिजर्व कर लिए गए हैं। ऑक्सीजन बेड की संख्या 2700 तक बढ़ाई जा सकती है। कोर्टेज सिस्टी के आधार पर यदि ज्यादा से ज्यादा लोगों को कोर्टेजिन कक्षा पड़ा तो शहर के सभी गैरट हॉस्प, 100 से ज्यादा मैट्रिन गार्डन में व्यवस्था की जाएगी।

राजभवन के दफ्तर बंद, वर्क फॉम होम किया

राजभवन परिसर में कोरोना संक्रमण के गंभीरता जल्दी सावधानियों की हर रोज समीक्षा हो रही है। यहां रह रहे कर्मचारियों और उनके परिजन में 10 लोग संक्रमित पाए गए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। परिसर के कर्मचारियों के आवास क्षेत्र को कोविड 19 प्रभावित कटेननेट क्षेत्र घोषित किया गया है। साथ ही स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) को सुनिश्चित किया गया है। राजभवन परिसर में रहने वाले कर्मचारियों व उनके परिवारों को मेडिकल इमरजेसी छोड़कर तीन दिन तक बाहर जाने पर प्रतिबंध रहेगा। इसके साथ परिसर में स्थित विभिन्न कार्यालयों को आगामी आदेश तक के लिए बंद कर दिया गया है और कर्मचारियों को घर से काम करने को कहा गया है।

भूकंप से हिला दिल्ली- एनसीआर, 4.6 थी भूकंप तीव्रता

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। दिल्ली और आसपास के इलाकों में पिछले एक महीने में चौथी बार भूकंप आया जो पिछले तीनों बार से ज्यादा तीव्रता का था। इस बार पंजाब और हरियाणा में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मॉलजी के मुताबिक, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.6 दर्ज की गई। भूकंप का केंद्र हरियाणा के रोहतक में पाया गया है जो राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से 65 किमी दूर है। भूकंप का केंद्र जमीन से 3.3 किमी नीचे था। भूकंप की दिशा रोहतक से पूरब और दक्षिण पूर्व की तरफ 25 किमी दूर तक थी। यह मध्यम तीव्रता का भूकंप था, इसलिए शेष पृष्ठ 7 पर



तनातनी से चीन-यूएस दोनों का नुकसान
ड्रैगन ने इशारों में ट्रंप को चेताया



बीजिंग ए। चीन और अमेरिका को अपनी असहमतियों को दूर करना चाहिए और एक-दूसरे के मुख्य हितों का सम्मान करना चाहिए। यह बात प्रधानमंत्री ली किचियांग ने बृहस्पतिवार (28 मई) को कही और ट्रंप प्रशासन को चेतावनी दी कि दोनों बड़ी अर्थव्यवस्थाओं को पटरी से उतारने के प्रयास से किसी का भी भला नहीं होगा और पूरी दुनिया को नुकसान होगा। साथ ही प्रधानमंत्री ने कहा कि घातक वायरस के खोत पर स्पष्ट विचार होना जरूरी है क्योंकि वह विज्ञान के आधार पर इसका पता लगाने के प्रयासों का समर्थन करते हैं। व्यापार, कोरोना वायरस महामारी की उत्पत्ति, हांगकांग में नए सुरक्षा कानून को लेकर चीन की कार्रवाई और विवादित दक्षिण चीन सागर में चीन के आक्रामक सैन्य रवैये को लेकर अमेरिका की चीन के साथ तनातनी चल रही है। संसद सत्र के अंत में वार्षिक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ली ने वॉशिंगटन और बीजिंग के बीच बढ़ते तनाव के बारे में सवालों का सावधानीपूर्वक जवाब दिया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि वह दुनिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच संबंध तोड़ देंगे। चीन में सतारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी में राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बाद ली दूसरे नंबर के नेता हैं। ली ने कहा यह सच है कि वर्तमान में चीन और अमेरिका के बीच संबंधों में नई समस्याएं और चुनौतियां आ गई हैं।

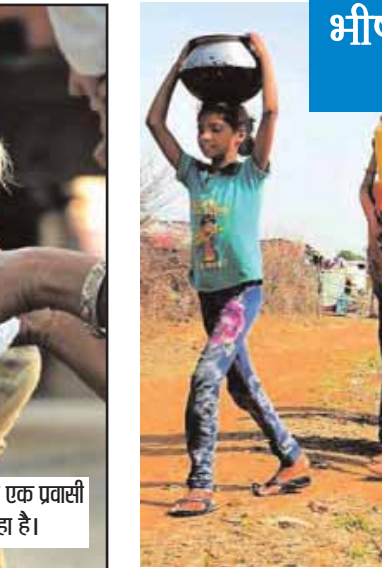
रमेश कुमार फिर बने आंध्र प्रदेश के निर्वाचन आयुक्त

हाईकोर्ट ने जगन सरकार के अध्यादेश को किया रद्द

हैदराबाद ए। आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने शुक्रवार को वॉइएस जगन मोहन रेड्डी सरकार द्वारा राज्य निर्वाचन आयुक्त (एसईसी) निम्मगड्डा रमेश कुमार का कार्यकाल पांच साल से घटाकर तीन साल करके उन्हें हटाने का अध्यादेश रद्द कर दिया। मुख्य न्यायाधीश जे. के. माहेश्वरी और वरिष्ठ न्यायाधीश सत्यनारायण मूर्ति की हाईकोर्ट की पीठ ने सरकारी आदेशों (जीओ नं. 31, 617 और 618) को भी निरस्त कर दिया।

इसके साथ ही निर्देश दिया कि रमेश कुमार को तत्काल प्रभाव से एसईसी के रूप में बहाल किया जाए।

हाईकोर्ट के फैसला सुनाए जाने के एक घंटे के भीतर, रमेश कुमार ने बताया की कि उन्होंने अदालत के आदेश के अनुसार एसईसी के रूप में प्रभार फिर से संभाल लिया है। उन्होंने कहा कि वह अपने कर्तव्यों का निर्वहन निष्पक्ष रूप से करेंगे जैसा कि उन्होंने अतीत में किया था। जगन मोहन रेड्डी सरकार ने 10 अप्रैल को आंध्र प्रदेश पंचायत राज अधिनियम में संशोधन करते हुए राज्य निर्वाचन आयुक्त के



भीषण गर्मी में पानी की किल्लत से जूझ रहे देश के कई इलाके



संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी

अकल्पनीय तबाही का

कारण बनेगी कोरोना

वैश्विक उत्पादन में हो सकता है 8500 अरब डॉलर का नुकसान

एजेंसी,संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटेनियो गुटेरस ने चेतावनी दी है कि कोविड-19 महामारी अकल्पनीय तबाही का कारण बन सकती है और इससे भीषण भूख और अकाल की शुरुआत हो सकती है। साथ ही उन्होंने कहा कि इस महामंदी का अगर सभी राष्ट्रों ने मिलजुलकर जवाब नहीं दिया तो वैश्विक उत्पादन में 8500 अरब डॉलर की कमी होगी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने गुरुवार को विकास के लिए वित्त पोषण पर उच्च-स्तरीय कार्यक्रम में कहा, "हमें इससे बचना चाहिए। महामारी ने हमारी कमजोरी को सामने ला दिया है। हाल के दशकों की सभी तकनीकी और वैज्ञानिक प्रगति के बावजूद हम एक सूक्ष्म वायरस के कारण एक अभूतपूर्व मानवीय संकट में हैं। उन्होंने एकजुटता के साथ इस अभूतपूर्व संकट का जवाब देने की जरूरत पर जोर दिया।

बिना आजीविका के होंगे 1.6 अरब लोग

गुटेरस ने कहा यदि हम अभी कार्रवाई नहीं करेंगे तो कोविड-19 महामारी दुनिया भर में अकल्पनीय तबाही और पीड़ा की वजह बनेगी। भयानक भूख और अकाल की स्थिति होगी। छह करोड़ से अधिक लोग



अत्यधिक गरीबी में चले जाएंगे। करीब आधा वैश्विक कार्यबल यानी 1.6 अरब लोग बिना आजीविका के होंगे। उन्होंने कहा कि महामारी के चलते वैश्विक उत्पादन में 8500 अरब अमेरिकी डॉलर से तक की कमी हो सकती है, जो 1930 की महामंदी के बाद सबसे तेज कमी होगी।

चेतावनी को अनदेखा करना मूर्खतापूर्ण अहंकार

जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के अनुसार दुनिया भर में 58 लाख से अधिक लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं और अब तक 3.6 लाख से अधिक लोगों की

पंचकूला में पेड़ के नीचे शुरु हुआ 20 साल पुराना सैलून, पीपीई किट पहन हजामत बना रहे नाई



एजेंसी,पंचकूला। हरियाणा सरकार ने अब सभी सैलून और ब्यूटी पार्लर खोलने की छूट दे दी है। इसके बाद बड़े-बड़े सैलून तो खुले ही, साथ-साथ रोड साइड या पेड़ों के नीचे चलने वाले सैलून भी खुल गए हैं। पंचकूला में दो भाइयों ने भी 20 साल पुराने अपने सैलून पर फिर से काम करना शुरू कर दिया है। दोनों सरकार का गाइडलाइंस का भी बखूबी पालन कर रहे हैं। लॉकडाउन में छूट मिलने के बाद दोनों भाइयों ने ना सिर्फ सैलून खोला, बल्कि कोरोना संक्रमण से बचने के लिए पीपीई किट का भी इस्तमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम 20 साल से यहां सैलून चला रहे हैं। हमने अपनी रक्षा और ग्राहकों की संतुष्टि के लिए पीपीई किट भी खरीदी। नई गाइडलाइंस के अनुसार, सैलून व ब्यूटी पार्लर में बुखार, सर्दी-जुकाम, खांसी से पीड़ित को प्रवेश नहीं मिलेगा। प्रत्येक ग्राहक के इस्तेमाल के बाद दुकान के सभी उपकरण सैनिटाइज करने होंगे। ग्राहक के लिए टोकन सिस्टम या अप्वॉइंटमेंट सिस्टम लागू किया जाए।



मध्य प्रदेश। सीहोर के पाटनी गांव के लोगों को पीने के पानी के लिए रोजाना दो किमी का सफर पूरा करना होता है। गांववालों का कहना है कि उनके गांव में पानी नहीं है। और इसके अलावा उनके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं है।

नई दिल्ली ए। उत्तर भारत में भीषण गर्मी से परेशान चल रहे लोगों को गुरुवार को हुई बारिश से कुछ राहत मिली है। वहीं भारतीय मौसम विभाग के उप महानिदेशक आनंद शर्मा ने बताया कि अभी दिल्ली-एनसीआर और उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों में वर्षा की संभावना बनी हुई है और 40-50 किलोमीटर की रफ्तार से हवाएं भी चल सकती हैं। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 4 दिनों तक तापमान 40 डिग्री के नीचे रहने वाला है और 24 घंटों के बाद पूरे भारत से 7हीट वेव खत्म हो जाएगी। वहीं मालदीव-कोमोरिन क्षेत्र के कुछ हिस्सों, दक्षिण बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों, अंडमान सागर और अंडमान के शेष हिस्सों में अगले 48 घंटे के दौरान दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल होती जा रही हैं।

31 मई के आसपास दक्षिण-पूर्व और आसपास के पूर्वी अरब सागर से सटे इलाके में कम दबाव बनने के अनुमान से एक जून 2020 के आसपास केरल में दक्षिण-पश्चिम मानसून की शुरुआत के लिए परिस्थितियां अनुकूल होने के आसार हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग के क्षेत्रीय पूर्वानुमान केंद्र के प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा कि निचले स्तर पर ताजा पश्चिमी विक्षोभ और पुरवैया हवाएं चलने के कारण

पाक हैंडलर्स ने बनाया ‘आरोग्य सेतु एप्लीकेशन’, खुफिया तंत्र का अलर्ट

एजेंसी,नई दिल्ली। खुफिया तंत्र के पास सीमा पार से आये एक इनपुट ने पुलिसवालों के होश उड़ा दिये हैं। पता चला है कि, हिंदुस्तान में कोविड-19 से जूझने में मददगार साबित हो रहा 'आरोग्य सेतु एप्लीकेशन' कुछ पाकिस्तानी हैंडलर्स ने भी तैयार कर लिया है। चूंकि हिंदुस्तानी आरोग्य सेतु एप्लीकेशन को हर पुलिसवालों को भी डाउनलोड करना है। लिहाजा ऐपे में सबसे ज्यादा चिंता बढ़ी है दिल्ली पुलिस की। लिहाजा वक्त रहते ही दिल्ली पुलिस के खुफिया तंत्र ने इस बाबत एक 'विशेष अलर्ट नोट' जारी कर दिया है। जारी अलर्ट में दिल्ली पुलिस के सभी अप्सरों-कर्मचारियों से पाकिस्तानी हैंडलर्स द्वारा डवलप किये गये आरोग्य सेतु से बचने की सलाह दी गयी है।

दिल्ली पुलिस स्पेशल ब्रांच द्वारा जारी इस अलर्ट में साफ-साफ कहा गया है कि, दिल्ली पुलिस महकमे का कोई भी अधिकारी/कर्मचारी हिंदुस्तानी आरोग्य सेतु एप्लीकेशन डाउनलोड जरूर करें, मगर सावधानी बहुत बरतें। ताकि कहीं ऐसा न हो कि वे किसी संदिग्ध एप्लीकेशन को डाउनलोड करके जाने-अनजाने किसी मुसीबत में फंस जायें। इस सब सतर्कता और एहतियाती कदम उठये जाने के पीछे प्रमुख वजह सीमापार बताई जा रही है। भारतीय खुफिया एजेंसियों को आशंका है कि, कुछ पाकिस्तानी हैंडलर्स ने भी हू-ब-हू हिंदुस्तानी



एप्लीकेशन से मिलता जुलता 'आरोग्य सेतु एप्लीकेशन' बना लिया। इसके पीछे हिंदुस्तानी एजेंसियां हालांकि अभी कुछ खुलकर तो नहीं बोल रही हैं। मगर हर कदम फूंक फूंक कर पूरे मामले की जड़ में पहुंचने के लिए भारतीय पुलिस को अलर्ट जरूर कर दे रही हैं। ताकि कहीं हमारी फेर्स (पुलिस) का कोई जवान या अधिकारी पाकिस्तानी हैंडलर्स की जद में न आ जाये। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल (खुफिया शाखा) द्वारा जारी इस विशेष अलर्ट में सीधे सीधे अपने महकमे को ही अलर्ट रहने का आगाह किया गया है। माना जा रहा है कि अगर विदेशी हैंडलर्स द्वारा बना लिये गये इस ऐप के जरिये हमारी फेर्स के कर्मचारियों के मोबाइल में एक्ससेस मिल गया तो बेहद नुकसानदेह साबित हो सकता है।



24 घंटे बाद पूरे भारत से हीट वेव खत्म हो जाएगी : मौसम विभाग



मौसम में बदलाव हुआ। 29-30 मई को दिल्ली-एनसीआर में 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने के साथ धूल भरी आंधी और राज के साथ तूफान आने की आशंका है। विज्ञान विभाग ने बताया कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवात की स्थिति बनने की वजह से दक्षिण पश्चिम मानसून केरल में एक जून को दस्तक दे सकता है। विभाग ने 15 मई को जारी अपने पूर्वानुमान में कहा था कि मानसून पांच जून को दक्षिणी राज्य में आ सकता है। यह मानसून की सामान्य तिथि से चार दिन बाद की तारीख है। केरल में आमतौर पर एक जून को मानसून दस्तक दे देता है। बहरहाल, बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवात की स्थिति बनने के कारण मानसून की प्रगति में मदद मिलने की संभावना है। विभाग ने कहा कि दक्षिण पूर्व और सटे हुए पूर्व मध्य अरब सागर में 31 मई से चार जून के दौरान

सीबीआई ने कसा तबलीगी जमात पर शिकंजा
कई आरोपों में आयोजकों के खिलाफ प्राथमिक जांच शुरू

नई दिल्ली ए। पिछले काफी दिनों से तबलीगी जमात की चर्चा हो रही है। खासकर तब से जब दिल्ली के मरकज में बिना इजाजत के तबलीगी जमात का एक कार्यक्रम किया गया, जिसके बाद कोरोना वायरस के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई। अब सीबीआई ने तबलीगी जमात के खिलाफ प्राथमिक जांच शुरू करने के लिए केंस दर्ज कर लिया है। इसके आगेनाइजर्स पर आरोप है कि उन्होंने संदेहजनक कैश ट्रांजेक्शन की और अर्थोरीटिज से यह जानकारी छुपाई कि तबलीगी जमात को विदेशों से भी डोनेशन मिलता है। अधिकारियों ने कहा कि प्राथमिक जांच से ये तय किया जाता है कि किसी मामले की पूरी तरह से जांच करने की जरूरत है या नहीं। अगर जरूरत होती है तो फिर एफआईआर दर्ज कर के मामले की गहराई से छानबीन की जाती है। पहले से ही तबलीगी जमात इस बात को लेकर आलोचना का शिकार हो रहा था कि उसने कोरोना वायरस को फैलाया है और अब कैश ट्रांजेक्शन और विदेशी डोनेशन छुपाने के चलते जमात की परेशानी और बढ़ने वाली है।

महाराष्ट्र, यूपी, मप्र में टिड्डी दल ने बोला धावा, 7 राज्यों में अलर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली। टिड्डी दल के हमले से बचाव के लिए राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में सरकारी कर्मचारियों ने जहां एक तरफ भारी मात्रा में कीटनाशक का छिड़काव किया तो वहीं दूसरी तरफ लोगों ने थाली और तेज संगीत बजाकर भी इन्हें भगाने का प्रयास किया। दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में सरकारों ने टिड्डी दल के पहुंचने को लेकर अलर्ट जारी किए हैं। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के अनुसार, टिड्डियों के झुंड के बिहार

और ओडिशा तक पहुंचने की उम्मीद है, लेकिन दक्षिण भारत में इन कीटों के पहुंचने की संभावना कम है। एफएओ ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में, भारत में टिड्डियों के वयस्क समूहों का आना हुआ है और ये भारत-पाकिस्तान सीमा से पूर्व की ओर बढ़ रहे हैं। एफएओ ने ताजा सूचना में कहा कि टिड्डियों के झुंड उत्तरी भारत की ओर चले गए हैं। राजस्थान के पश्चिम भाग से आये टिड्डियों के समूह राज्य के पूर्वी हिस्से तथा मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र जैसे मध्यवर्ती राज्यों की ओर बढ़ रहे हैं।



हरियाणा ने पड़ोसी राजस्थान के फसलों पर हमले के बाद सात और कुछ अन्य राज्यों में टिड्डी दल

हरियाणा प्रशासन ने कहा है कि यद्यपि टिड्डी दल ने राज्य में प्रवेश नहीं किया है, लेकिन हम उच्च स्तरीय सावधानी बरत रहे हैं। अतिरिक्त मुख्य सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग संजीव कौशल ने बताया कि हम तैयार हैं, सात जिलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। हमारे पास कीटनाशकों का पर्याप्त भंडार है और हमने किसानों के समूह को भी सूचित कर दिया है। यहां तक कि हमने व्हाट्सएप पर भी किसानों का एक समूह बनाया है। उन्होंने बताया कि छिड़काव की

सुविधा वाले ट्रैक्टरों को भी तैयार किया गया है। हम सभी एहतियात बरत रहे हैं। देश के कुछ हिस्सों में टिड्डी दल के धावा के बीच कर्नाटक सरकार ने गुरुवार को दावा किया कि हवा की दिशा में बदलाव के चलते राज्य में टिड्डी दल के पहुंचने की संभावना बेहद कम है। कृषि मंत्री बीसी पाटिल ने संवाददाताओं से कहा कि बचाव उपायों के तहत, टिड्डी दल के हमले की सूरत में इससे निपटने के लिए एक समिति का गठन किया गया है, जिसमें कृषि और उद्यान विभाग के

निदेशकों समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को शामिल किया गया है। इस बीच, पाकिस्तान की सीमा से राजस्थान में घुसी टिड्डियों के हमले से राजस्थान के जिलों का लगभग 90,000 हेक्टेयर इलाका प्रभावित हुआ है एक अधिकारी ने बताया कि टिड्डी नियंत्रण दलों द्वारा किये गये कीटनाशक छिड़काव के बाद टिड्डियां श्रीगंगानगर से चलकर नागौर, जयपुर, दौसा, करौली और सवाई माधोपुर और अन्य क्षेत्रों से गुजरती हुई उत्तर प्रदेश और मध्य

प्रदेश की ओर बढ़ गईं। कृषि विभाग के आयुक्त ओम प्रकाश ने बताया कि टिड्डियों के हमले से श्रीगंगानगर में लगभग 4,000 हेक्टेयर भूमि पर लागी फसल को नुकसान हुआ वहीं नागौर में 100 हेक्टेयर भूमि को फसल को चट कर दिया। हालांकि, उत्तर प्रदेश में झांसी सहित कुछ जिलों में बुधवार शाम पहुंचे टिड्डी दल में शामिल लाखों कीटों की रसायनों के गहन छिड़काव की मदद से नष्ट कर दिया गया। बचे हुए टिड्डी झुंड को भगाने की कोशिश जारी है।

आधी रात को आए फोन ने ढाई घंटे में जोगी को बनाया था डीएम से सीएम

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के पहले मुख्यमंत्री अजीत जोगी अब इस दुनिया में नहीं रहे। लेकिन एक आईएसएस से राजनीति में आने की उनकी कहानी दिलचस्प है। आधी रात को आए एक फोन कॉल ने उन्हें कलेक्टर से नेताजी बना दिया था। कहानी कुछ ऐसी है- 1985। शहर इंदौर। रात का वक्त। रिसिडेंसी एरिया स्थित कलेक्टर का बंगला। कलेक्टर साहब सो रहे हैं। अचानक फोन बजता है। दौड़कर एक कर्मचारी

कलेक्टर से सूबे के पहले सीएम बनने तक का अजीत जोगी का सफर

उठाता है। बताता है कलेक्टर साहब सो गए हैं। पर फोन की दूसरी तरफ से अधिकार भरे स्वर में आदेश आता है-कलेक्टर साहब को उठाइये और बात करवाइये। साहब जगाए जाते हैं। फोन पर आते हैं। दूसरी तरफ से आवाज आती है- 'तुम्हारे पास ढाई घंटे हैं। सोच लो। राजनीति में आना है या कलेक्टर ही रहना है। दिग्विजय सिंह लेने आएंगे, उनको फैसला बता देना।' अजीत जोगी को वी जॉर्ज का फोन आया और कलेक्टर जोगी नेता जोगी बन गए। और इस तरह अजीत जोगी का राजनीति में प्रवेश हुआ।

तत्कालीन पीएम राजीव गांधी के पीए का था फोन कॉल

ये फोन था तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के



पीए वी जॉर्ज का। और फोन उठाने वाले थे अजीत जोगी। नेता नहीं, कलेक्टर अजीत जोगी। पर 2.30 घंटे बाद जब दिग्विजय सिंह कलेक्टर आवास पहुंचे। तो वो नेता जोगी बन चुके थे। कांग्रेस जॉइन कर ली।

कुछ ही दिन बाद उनको कांग्रेस की ऑल इंडिया कमिटी फॉर वेलफेयर ऑफ शेड्यूल्ड कास्ट एंड ट्राइब्स के मेंबर बना दिया गया। कुछ ही महीनों में राज्यसभा भेज दिए गए।

खेली ऐसी राजनीतिक पारी कि बन गए नए राज्य के पहले सीएम

अजीत जोगी एक ऐसे व्यक्ति जो आईएसएस की नौकरी छोड़कर राजनीति में आ गए, और पारी ऐसी खेली की छत्तीसगढ़ के पहले मुख्यमंत्री हो गए। सालों तक कांग्रेस के बड़े नेताओं में शुमार रहे और फिर अपनी अलग पार्टी के साथ छत्तीसगढ़ की राजनीति में नया समीकरण बैठाने में जुट गए। हालांकि अब उनका निधन हो गया है।

बंगले का नाम बेटी के नाम पर

लेकिन सपना पूरा होने पर भी जोगी को दुनिया अधूरी ही लग रही थी। उन्हें अपनी बेटी याद आने लगी। जो कुछ दिन पहले ही दुनिया छोड़ गई थी। नाम था अनुषा। बेटी से बहुत प्यार करते थे, रायगढ़ के कूतरा रोड पर उनका जो बंगला है उसका नाम भी बेटी के नाम पर रखा है, अनुषा विला। जोगी तब इंदौर में रहते थे।

2016 में कांग्रेस से निष्कासन

2016 में अजीत जोगी और उनके बेटे अमित जोगी को कांग्रेस विरोधी गतिविधियों के लिए कांग्रेस से हटाने के साथ ही छत्तीसगढ़ के अंतर्गत में उप-चुनावों को खत्म कर दिया गया था। अमित जोगी को तो 6 साल के लिए कांग्रेस से हटाया गया है। 2016 में ही अजीत जोगी ने अपनी अलग राजनीतिक पार्टी जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) का गठन किया।

राजनीतिक सफर

- 2000: नवंबर, 2000 को नवीनतम राज्य छत्तीसगढ़ के पहले मुख्यमंत्री के रूप में इन्होंने शपथ ली थी।
- 2003: छत्तीसगढ़ में विकास यात्रा का भी नेतृत्व किया।
- 2004: 14 वीं लोकसभा में महासमुंद, छत्तीसगढ़ के लिए सांसद के रूप में चुने गए।
- 2008: छत्तीसगढ़ की विधान सभा के सदस्य के रूप में जोगी चुने गए, यह मारवाही निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते थे।
- 2009: लोकसभा चुनावों में चुने जाने के बाद जोगी ने लोकसभा सदस्य छत्तीसगढ़ के महासमुंद निर्वाचन क्षेत्र के रूप में काम किया।
- 2014: लोकसभा चुनावों में अपनी सीट

बरकरार रखने में असफल रहे और बीजेपी के चंदू लाल साहू से 133 मतों से हार गए।

2016: जून 2016 में अजीत जोगी ने छत्तीसगढ़ जनता कांग्रेस नामक एक नए राजनीतिक संगठन की स्थापना की।

2018: अजीत जोगी ने घोषणा की वह राजनंदगांव और मारवाही सीटों से विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। इसका मतलब है कि वह सीधे डॉ. रमन सिंह को चुनौती देंगे।

1999: छत्तीसगढ़ के अलग राज्य के लिए जागरूकता फैलाने के लिए दंतेवाड़ा के मां दांतेश्वरी मंदिर से अबिकापुर के महामाया मंदिर तक यात्रा का नेतृत्व किया।

1998: जोगी छत्तीसगढ़ के रायगढ़ निर्वाचन क्षेत्र से 12 वीं लोक सभा के लिए चुने गए।

1997: इन्हें दिल्ली राज्य कांग्रेस कमेटी चुनावों के पर्यवेक्षक के तौर पर नियुक्त किया गया था। इसके अलावा परिवहन और पर्यटन समिति, ग्रामीण व शहरी विकास सदस्य समिति, परामर्श समिति, कोयला मंत्रालय, लोक लेखा समिति, अप्रत्यक्ष कर पर ऊर्जा, संयोजक, उप-समिति के सलाहकार समिति का सदस्य चुना गया। इतना ही नहीं जोगी राज्य सभा के उपाध्यक्ष के पैनल में सदस्य भी बने।

1997 से 1999: मुख्य प्रवक्ता, कांग्रेस संसदीय दल के साथ-साथ एआईसीसी के मुख्य प्रवक्ता के रूप में काम किया।

1996: कोर समूह और संसदीय चुनाव (लोकसभा) के बाद में जोगी संसद में कार्यकारी समिति के सदस्य बन गए।

1995: सिक्किम विधानसभा चुनावों के

दौरान जोगी ने कांग्रेस पार्टी के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में काम किया।

1995: जोगी को विज्ञान और प्रौद्योगिकी समिति और पर्यावरण व वन पर बनी कमेटी के अध्यक्ष का भी भार सौंपा गया।

1989: मणीपुर राज्य के लोकसभा चुनावों के दौरान जोगी को कांग्रेस ने केंद्रीय पर्यवेक्षक का काम सौंपा।

1987: जोगी को जनरल-सेक्रेटरी, प्रदेश कांग्रेस कमेटी, मध्य प्रदेश के रूप में भी नियुक्त किया गया था।

1986: अजीत जोगी ने 1986 में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के कल्याण पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के सदस्य बनकर राजनीतिक कैरियर की शुरुआत की। इसके बाद कांग्रेस ने इन्हें राज्यसभा में नामित किया।

सुनहरी यादें



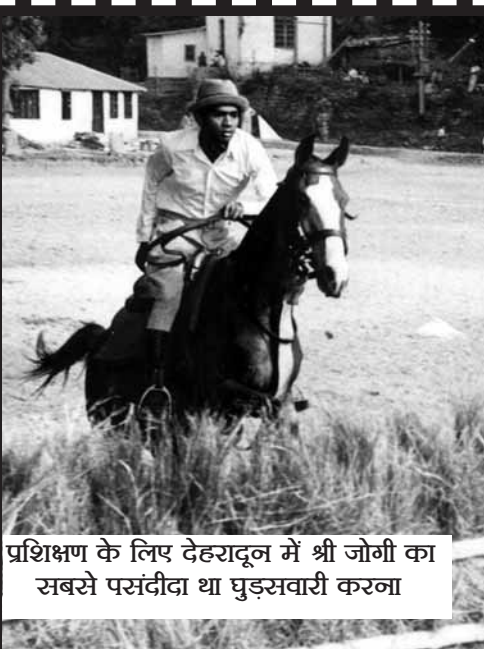
स्व. राजीव गांधी की पहली पसंद बन गए थे कलेक्टर जोगी।



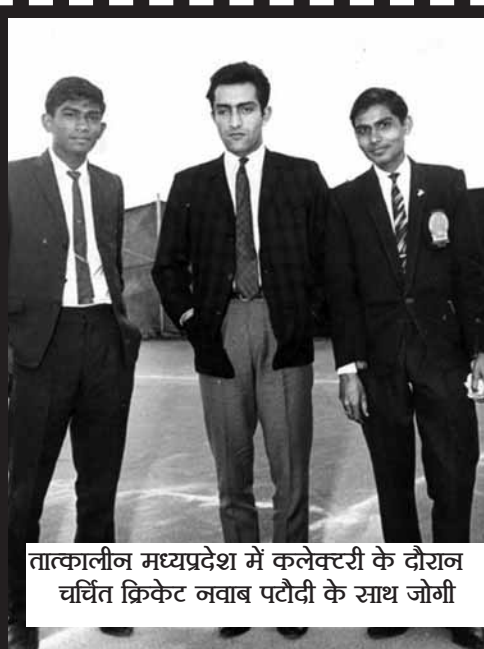
अपने राजनैतिक कैरियर में सोनिया का भी जीता था भरोसा।



2006 में शादी की सालगिरह पर अपने दिल-अजीजों और समर्थकों के बीच खुशी के पल में स्व. अजीत जोगी की न भूला सकने वाली यादगार तस्वीर।



प्रशिक्षण के लिए देहरादून में श्री जोगी का सबसे पसंदीदा था घुड़सवारी करना



तात्कालीन मध्यप्रदेश में कलेक्टर के दौरान चर्चित क्रिकेट नवाब पटौदी के साथ जोगी



राज्य बनते ही मुख्यमंत्री का ताज मिला, तब की तस्वीर।



पति की अस्वास्थ्यता के बाद हर पल साथ रहीं पत्नी रेणु।



सूबे की सियासत के दो दिग्गज 5-5 सौ रूपए की शर्त लगाए तो वहां मौजूद सभी ने जोरदार ठहकों के साथ किया स्वागत।



जोगी की सियासी चातुर्य का परिचय देती यह तस्वीर।



सूबे की सियासत को जोगी-मायावती की मुलाकात ने हिलाकर रख दिया था।



मरवाही में एक साथ मां-पिता के साथ मुस्कुराए थे अमीत।

